PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Bandini
Year: 1963

Song: Ab Ke Baras Bhej
Lyricist: Shailendra

अब के बरस भेज
भैया को बाबुल
सावन में लीजो
बुलाय रे
लौटेंगीं जब मेरे
बचपन की सखियाँ
दीजो
संदेसा भिजाय रे

अब के बरस भेज
भैया को बाबुल

अंबुवा तले फिर से
झूले पड़ेंगें
रिमझिम पड़ेंगीं फुहारें
लौटेंगी फिर तेरे
आँगन में बाबुल
सावन की ठंडी बहारें
छलके नयन
मोरा कसके रे जियरा
बचपन की जब याद आय रे

अब के बरस भेज
भैया को बाबुल

बैरन जवानी ने छीने खिलौने
और मेरी गुड़िया चुराई
बाबुल थी मैं तेरे
नाज़ों की पाली
फिर क्यों हुई मैं पराई
बीते रे जुग
कोई चिट्ठिया न पाती
ना कोई नैहर से आय रे

अब के बरस भेज
भैया को बाबुल
सावन में लीजो
बुलाय रे
अब के बरस भेज
भैया को बाबुल

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.